पाठ 4. न्याय-मंत्री

पाठ का उद्देश्य

आजकल सभी लोग किसी के भी सही-गलत काम में अपने विचार प्रकट करने से नहीं चूकते। पर यदि उनके सामने वह स्थिति या काम आ जाए तो वे पलायन का रास्ता चुनते हैं। प्रस्तुत पाठ बच्चों को ऐसी भावना से ग्रस्त होने के उद्देश्य से बचाने के लिए दिया गया है। इस पाठ द्वारा बच्चे समझ पाएँगे कि सही-गलत का निर्णय लेते समय सकारात्मक सोच अपनाएँ।

पाठ का सारांश

सम्राट अशोक शिशुपाल के यहाँ परदेसी बनकर ठहरते हैं। शिशुपाल सम्राट को पहचान नहीं पाते। दोनों उस समय की न्याय व्यवस्था पर चर्चा करते हैं। अगले दिन सम्राट शिशुपाल को दरबार में बुलवाकर न्याय-मंत्री बना देते हैं। धीरे-धीरे शिशुपाल की न्यायिक व्यवस्था की प्रशंसा चारों ओर होने लगती है। सम्राट अशोक एक पहरेदार की हत्या कर देते हैं और शिशुपाल से अपराधी का पता लगाकर दंडित करने के लिए कहते हैं। शिशुपाल अपने बुद्धि-बल का इस्तेमाल करते हैं और अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए सम्राट को बंदी बना लेते हैं। सम्राट बताते हैं कि वह पहरेदार गद्दार था। न्यायमंत्री कहते हैं कि न्याय सभी के लिए एक-सा होता है। इसलिए वे उचित न्याय करने के उद्देश्य से सम्राट के स्थान पर उनकी सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटका देते हैं। जब न्याय-मंत्री शिशुपाल अपनी पदवी छोड़ने की बात करते हैं तो सम्राट अशोक गद्गद कंठ से उनके न्याय की प्रशंसा करते हैं। न्याय-मंत्री शिशुपाल सम्राट की परीक्षा में सफल हो गए थे।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। बच्चों से पाठ के मूल भाव या संदेश के बारे में पूछें। बच्चों को बताएँ कि यह पाठ न्याय एवं न्यायालयों के ऊपर विश्वास रखने तथा सकारात्मक सोच रखने की सीख दे रहा है। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- किसी के काम में अथवा व्यवस्था या प्रशासन में दोष निकालना जितना सरल होता है, क्या उसे दोष मुक्त करना उतना ही कठिन? तुम्हारी दृष्टि में यह कथन कहाँ तक सही अथवा गलत है। या फिर तुम कुछ अलग सोचते हो। अपने विचार रखो।
- न्याय-मंत्री शिशुपाल ने राजा के स्थान पर उनकी मूर्ति को दंड देकर क्या वास्तव में उचित न्याय किया? तुम क्या सोचते हो?
- भारत की वर्तमान न्याय प्रणाली के बारे में तुम क्या सोचते हो? अपने सुझावों से सभी को अवगत कराओ।
- फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट के बारे में भी बच्चों से चर्चा करें। छोटे-छोटे विवादों को निपटाने के लिए आजकल लोक अदालत का भी काफ़ी प्रचलन है।
- बच्चों को बताएँ कि आज भी बहुत से गाँव ऐसे हैं जहाँ कोर्ट-कचहरी के स्थान पर वहाँ की पंचायत फैसला करती है और उसका निर्णय ही सर्वोपरि माना जाता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।